



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 191]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 10, 1989/चैत्र 20, 1911

No. 191]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 10, 1989/CHAITRA 20, 1911

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1989

सा. का. नि. 433 (अ).—पेट्रोलियम नियम, 1976 का और संशोधन करने के लिए कृषिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम अधिनियम, 1934 (1934 का 30) की धारा 13 की उपधारा (2), धारा 14 की उपधारा (2) के खंड (ख), धारा 22, धारा 26 की उपधारा (3) और धारा 29 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाना चाहती है, उक्त अधिनियम की धारा 29 की उपधारा (2) की अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है, जिनके उससे प्रभावित होने की सम्भावना है और इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्राव्य नियमों पर राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से पतालीस दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

किन्हीं ऐसे प्राक्षेपों या सुझावों पर जो इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के पहले उक्त प्राव्य नियमों की बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम पेट्रोलियम (----- संशोधन) नियम, 1989 है।

2. पेट्रोलियम नियम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) में, नियम 194 के उप-नियम (3) के पश्चात् निम्नलिखित उप-नियम अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(4) यदि परीक्षण किया जाने वाला पेट्रोलियम विपकिया जो ठोस है या उसमें तलछट या जमने वाले संघटक हैं, तो ऐसे पेट्रोलियम का परीक्षण अनुसूची V में विनिर्दिष्ट पद्धति के अनुसार किया जाएगा।”

3. उक्त नियमों के नियम 198 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“198क प्रवेश करने, निरीक्षण करने, तलाशी लेने और अधिसूचना करने की शक्तियाँ।

(1) नीचे की सारणी के स्तंभ () में विनिर्दिष्ट कोई अधिकारी उक्त सारणी के स्तंभ (2) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट अधिकारिता के भीतर :—

(क) यह सुनिश्चित करने के लिए कि ये वस्तुएं अधिनियम और इन नियमों के उपबंधों के अनुसार हैं, ऐसे किसी स्थान में, जहाँ उसे, ऐसे विश्वास करने का कारण है कि वहाँ पेट्रोलियम का भ्राम्यता, परिवहन, भंडारण, उत्पादन, परिष्करण या मिश्रण किया जाता है या परिवहन के अधीन है, प्रवेश निरीक्षण कर सकेगा और तलाशी ले सकेगा और उनके संबंध में प्रयुक्त सभी प्राधान्यों; संयंत्रों और साधनों का निरीक्षण कर सकेगा;

(ख) उसमें पेट्रोलियम की तलाशी ले सकेगा ;

(ग) वहाँ प्राप्त होने वाले पेट्रोलियम का परीक्षण करने के लिए नमूने ले सकेगा और लिए गए नमूने के मूल्य के बराबर नकदी के रूप में संदाय कर सकेगा; और

(घ) ऐसे किसी पेट्रोलियम का या किसी सामग्री का जिस पर पेट्रोलियम होने का संदेह है या उसमें प्रयुक्त होने वाले किसी उपस्कर, या साधन, वा, उससे संबंधित वस्तुओं के साथ, अभिग्रहण कर सकेगा, निष्काश कर सकेगा और हटा सकेगा, जिसके बारे में, उसे विश्वास करने का कारण है कि अधिनियम के या इन नियमों के उपबंधों में से किसी का उल्लंघन किया गया है।

सारणी

अधिकारी का पदनाम	अधिकारिता की-सीमा
1	2
विस्फोटक का मुख्य नियंत्रक और नियंत्रक सम्पूर्ण भारत सभी जिला मजिस्ट्रेट	उनके अपने-अपने जिले
जिला मजिस्ट्रेट के अधीनस्थ सभी मजिस्ट्रेट उनकी अपनी अपनी अधिकारिता ऐसे पुलिस अधिकारी, जो निरीक्षक ऐसे क्षेत्र, जिनपर उनके प्राधिकार की पंक्ति से नीचे का नहीं।	का विस्तार है।

(2) जब कभी मुख्य नियंत्रक से भिन्न कोई अधिकारी इस नियम के अधीन किसी पेट्रोलियम या उसमें संबंधित किसी सामग्री या उससे संबंधित किसी वस्तुओं का अभिग्रहण, प्रतिधारण करता है, या उसे हटाता है तो वह तुरंत इस तथ्य की सूचना तार द्वारा मुख्य नियंत्रक को और इस नियंत्रक को वेगा जिसकी अधिकारिता उस स्थान पर है जहाँ अन्तर्ग्रहण इत्यादि किया गया है और जब कभी कोई अधिकारी, जो जिला प्राधिकारी ही है, किसी पेट्रोलियम का या उससे संबंधित किसी सामग्री का या उससे संबंधित किसी वस्तुओं का इस नियम के अधीन अभिग्रहण, प्रतिधारण करता है या हटाता है तो वह तुरंत इस तथ्य की सूचना तार द्वारा संबंधित जिला प्राधिकारी को देगा, जो मामले के तथ्य की सूचना नियंत्रक को और अधिकारिता प्राप्त नियंत्रक को देगा।

(3) जब कभी इस नियम के अनुसार कोई नमूना लिया जाता है तब उसका परीक्षण इन नियमों के अध्याय X के सुसंगत उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(4) जब कभी इस नियम के अधीन किसी पेट्रोलियम की अभिग्रहण किया जाता है तो इसे तब तक के लिए पचास मुरदा के अधीन रखा जाएगा जब तक कि मुख्य नियंत्रक या नियंत्रक, विस्फोटक, द्वारा इसकी परीक्षा नहीं कर सकी जाती और इसके व्यवहन के संबंध में उससे अनुदेश प्राप्त नहीं हो जाता।

(5) जब कभी इस नियम के अधीन तलाशी ली जाती है तब उसे दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) के उपबंधों के अनुसार पूरा किया जाएगा। पुलिस और जिला प्राधिकरणों के सभी अधिकारी

अधिनियम और नियमों के निष्पादन में विस्फोटक के मुख्य नियंत्रक और नियंत्रक की सहायता करेंगे।

(6) जब कभी कोई व्यक्ति स्वयं या उसके नियोजनाधीन व्यक्ति द्वारा इस नियम के अधीन सम्पूर्ण रूप से नियुक्त ऐसे अधिकारी को, जो उस नियम के अधीन अपने कर्तव्य के अनुसार कार्य कर रहा है, स्वेच्छया बाधा पहुंचाता है या प्रतिरोध करता है या अन्यथा अवृंथा डालता है या सूचना देने में इनकार करता है या देने में असफल रहता है या जानबूझकर मिथ्या और भ्रामक सूचना देता है तो, ऐसे व्यक्ति को यह समझा जाएगा कि उसने इस अधिनियम के अधीन अपराध किया है।

198. ख पेट्रोलियम की नष्ट करना—विस्फोटक से मुख्य नियंत्रक या नियंत्रक किसी ऐसे पेट्रोलियम या उसमें संबंधित किसी सामग्री या उपस्कर को नष्ट कर सकेगा, जिसकी बाधा विस्फोटक के मुख्य नियंत्रक या नियंत्रक को ऐसा विश्वास करने का कारण है कि अधिनियम या इन नियमों के किसी उपबंध का उल्लंघन किया गया है, या जो उसकी राय में भंडारण या परिवहन या उपयोग के लिए अब उपयोग नहीं रह गया है। पेट्रोलियम की, यथास्थिति, अनुज्ञापिकाधारक या परिमर के अधिभोगों के खर्च पर नष्ट किया जाएगा।

4 उक्त नियमों के नियम 200 में "इन नियमों" शब्दों के स्थान पर "इस अधिनियम के अध्याय। "शब्द और अंक रखे जाएंगे।

5 उक्त नियमों की चौथी अनुसूची के पश्चात निम्नलिखित अनुसूची जोड़ी जाएगी, अर्थात् :—

"पाथवी अनुसूची

पेट्रोलियम के विपकिया या ठोस रूप के परीक्षण की पद्धति यदि पेट्रोलियम का परीक्षण किया जानेवाला नमूना विपकिया या ठोस है, या उसमें तलछट या जमनेवाले संघटक हैं, तो ऐसे पेट्रोलियम का परीक्षण ए. बी. ई. एन साधन में निम्नलिखित रीति से किया जाएगा :—

ठोस मिश्रण को 38.1 मि. मी. लम्बे और 6.3 मि. मी. व्यास वाले बेलनों के रूप में, कार्क छेदक द्वारा या अन्य समान कर्तक द्वारा जिसका आन्तरिक व्यास ठीक-ठीक हो, काटा जाएगा। इन बेलनों को परीक्षण साधन को पेट्रोलियम प्याली में लेम्ब रूप में अपनी संख्या में रखना है, जितनी से व्याली पूरी तरह भर जाए। बेलमो को एक दूसरे से सटा होना चाहिए किन्तु एक-दूसरे का छेदक नहीं होना चाहिए कि उनकी कृति बिगड़ जाए। प्याले के मध्य में पांच या छह बेलमो को 127 मि. मी. में इस प्रकार लायकृत करना चाहिए, जिससे कि थर्मामीटर बलब के लिए खाली स्थान बच जाए।

ऐसे पेट्रोलियम को, जो विपकिया है या जिसमें तलछट या जमनेवाले संघटक हैं, परीक्षण साधन के पेट्रोलियम प्याले में लंब रूप में भरा जाएगा ताकि प्याला पूरी तरह भर जाए।

परीक्षण साधन की वायु स्थानांतर की जल से 38.1 मि. मी. गहराई तक भरा जाना चाहिए। फिर जल-स्थानांतर के ताप को लगभग 80° फारनहाईट के तापमान तक ला कर उसी स्तर पर बनाए रखना चाहिए। इसके पश्चात प्याली को वायु स्थानांतर में रखना चाहिए और नमूने के तार को तब तक बढ़ने देना चाहिए जब तक तैल-प्याले में के तापमापी 75° फारनहाईट ताप प्रदर्शित न करे, तब परीक्षण प्याला का प्रयोग करना चाहिए।

यदि कोई कोष नहीं प्राप्त होती है, तो इस ताप को एक घंटे के लिए तैल-प्याले में लगातार बनाए रखें। इस समय की समाप्ति पर परीक्षण प्याला का पुनः प्रयोग करें।

यदि कोई प्रकट होती है तो ठोस मिश्रण पेट्रोलियम अधिनियम, 1934 के उपबंधों के अध्याधीन होगा।

[मं. 3 (1) 86-डी पी आर / इ जी जी एल]

धर के सिन्हा, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम भारत सरकार के उद्योग और नागरिक प्रति मंत्रालय की ओर सूचना सं. सा. का. नि. 479(अ), तारीख 30 जून, 1976 के रूप में भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3 (1) तारीख 20 जुलाई, 1976 के पृष्ठ 1683-1899 पर प्रकाशित किए गए थे और संशोधन उनके निम्नलिखित द्वारा संशोधन किए गए :—

- (1) भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3 (1) के पृष्ठ 1798-1800 पर प्रकाशित सरकारी अधिसूचना सं. सा. का. नि. 834, तारीख 25 जुलाई, 1980
- (2) भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3 (i) के पृष्ठ 1183-1184 पर प्रकाशित सरकारी अधिसूचना सं. सा. का. नि. 493 तारीख 6 मई, 1981
- (3) भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3 (i) के पृष्ठ 1861-1862 पर प्रकाशित सरकारी अधिसूचना सं. सा. का. नि. 756 तारीख 28 जुलाई, 1981
- (4) भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3 (i) के पृष्ठ 1862 पर प्रकाशित सरकारी अधिसूचना सं. सा. का. नि. 757, तारीख 29 जुलाई, 1981
- (5) भारत के राजपत्र, भाग 2 खंड 3 (i) के पृष्ठ 2138-2140 पर प्रकाशित सरकारी अधिसूचना सं. सा. का. नि. 884 तारीख 15 दिसम्बर, 1981
- (6) भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3 (i) के पृष्ठ 746 पर प्रकाशित सरकारी अधिसूचना सं. सा. का. नि. 315, तारीख 16 मई, 1982
- (7) भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3(i) के पृष्ठ 1910-1911 पर प्रकाशित सरकारी अधिसूचना सं. सा. का. नि. 660 तारीख 15 जुलाई, 1982
- (8) भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3(i) के पृष्ठ 1911 पर प्रकाशित सरकारी अधिसूचना सं. सा. का. नि. 661 तारीख 16 जुलाई, 1982
- (9) भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3(i) में प्रकाशित सरकारी अधिसूचना सं. सा. का. नि. 726(अ) तारीख 3 दिसम्बर, 1985
- (10) भारत के राजपत्र असाधारण भाग 2, खंड 3(i) सं. 324, तारीख 22 जून, 1987 में प्रकाशित सरकारी अधिसूचना सं. सा. का. नि. 590 (अ) तारीख 17 जून, 1987
- (11) भारत के राजपत्र, असाधारण भाग 2, खंड 3(i) सं. 325 तारीख 22 जून 1987 में प्रकाशित सरकारी अधिसूचना सं. सा. का. नि. 591 (अ) तारीख 30 जून 1987
- (12) भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3 (i) सं. 365 तारीख 3 जुलाई, 1987 में प्रकाशित सरकारी अधिसूचना सं. सा. का. नि. 614 (अ) तारीख 30 जून, 1987
- (13) भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3(i), सं. 80 तारीख 24 फरवरी, 1988 में प्रकाशित सरकारी अधिसूचना सं. सा. का. नि. 98 (अ) तारीख 22 फरवरी, 1988
- (14) भारत के राजपत्र असाधारण भाग 2, खंड 3(i) सं. 131 तारीख 21 मार्च, 1988 में प्रकाशित सरकारी अधि.

सूचना सं. सा. का. नि. 362(अ); तारीख 16 मार्च, 1986

[मिनिस्टर 3 (i) /86 —ई पी आर० / ई. जी. जी. एम]

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th April, 1989

G.S.R. 433(E):—The following draft of certain rules to further amend the Petroleum Rules, 1976, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 13, clause (b) of sub-section (2) of section 14 section 22, sub-section (3) of section 26 and sub section (1) of section 29 of the Petroleum Act, 1934 (30 of 1934) are hereby published as required by sub-section (2) of section 29 of the said Act. for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry a period of forty five days from the date of publication of this notification in the Official Gazette;

Any objections or suggestions which may be received from any person in respect of the said draft before the period so specified will be taken into consideration by the Central Government.

1. These rules may be called the Petroleum (. . .) Amendment Rule, 1989.

2. In the Petroleum Rules, 1976 (herein after referred to as the said rules), after the sub-rule (3) of rule 194, the following sub-rule shall be inserted, namely :—

“4. If the Petroleum to be tested is viscous or solid or contain sediments or thickening ingredients, such petroleum shall be tested in accordance with the methods specified in Schedule V”;

3. After rule 198 of the said rules, the following rules shall be inserted, namely :—

“198A. Power to enter, inspect search and seize—

(1) Any officer, specified in column (1) of the Table below, may within the jurisdiction specified in corresponding entry in column (2) of the said Table—

(a) enter, inspect and search any place where he has reason to believe that any petroleum is being imported, transported, stored, produced, refined or blended or is under transport and inspect all receptacles, plants and appliances used in connection therewith in order to ascertain if they are in accordance with the provisions of the Act and of these rules;

(b) search for petroleum therein;

(c) take samples for testing of any petroleum found therein and make payment by cash for values of samples taken; and

(d) seize, detain and remove any petroleum of any material suspected to be petroleum or any requirement or appliances used therein together with connected documents thereof in respect of which he has

reasons to believe that any of the provisions of the Act or of these rules have been contravened.

TABLE

Designation of the Officer	Limit of Jurisdiction
(1)	(2)
Chief Controller and Controller of Explosives.	Whole of India
All District Magistrates.	Their respective districts.
All Magistrates subordinate to District Magistrates.	Their respective jurisdiction.
Police officers not below the rank of an Inspector.	The area over which their authority extends.

- (2) Whenever any officers other than the Chief Controller, seizes, detains or removes any petroleum or any material connected therewith or any connected documents thereof under this rule, he shall forthwith report the fact by telegram to the Chief Controller and the Controller having jurisdiction over the place where seizure etc., has taken place and whenever any officer not being the district authority seizes, detains or removes any petroleum or any material connected therewith or any connected documents thereof under this rule, he shall forthwith report the fact by telegram to the district authority concerned, who shall intimate the facts of the case to the Chief Controller and the Controller having jurisdiction.
- (3) Whenever any samples are taken in accordance with this rule, they shall be tested in accordance with the relevant provisions of Chapter X of these rules.
- (4) Whenever any petroleum is seized under this rule, it shall be stored, under adequate guard until examination by Chief Controller or Controller of Explosives and receipt of instructions from him as to its disposal.
- (5) Whenever searches are made under this rule the same shall be carried out in accordance with the provisions of the Code of Criminal Procedure, 1974 (2 of 1974). All officers of the police and district authorities shall assist the Chief Controller and Controller of Explosives in the execution of the Act and rules.
- (6) Whenever any person by himself or by any person in his employ voluntarily obstructs or offers any resistance to or otherwise interferes with or refuses or fails to give or wilfully gives false or misleading information to the officer duly appointed under this rule who is acting in accordance with his duty there under such person shall be deemed to have committed an offence under the Act.

193B: Destruction of petroleum. The Chief Controller or a Controller of Explosives may destroy any petroleum or any material or equipment connected in respect of which the Chief Controller or Controller of Explosives has reason to believe that any of the provisions of the Act or of these rules have been contravened or which in his opinion is no longer fit for storage, transport or use. The petroleum shall be destroyed at the expenses of the licensee or the occupier of the premises, as the case may be.

4. In rule 200 of the said rules, for the words "these rules", the words and figure "Chapter I of the Act" shall be substituted.

5. After Fourth Schedule of the said rules the following Schedule shall be added namely :—

FIFTH SCHEDULE

METHODS OF TESTING VISCOUS OR SOLID FORMS OF PETROLEUM

If the sample of petroleum to be tested is viscous or solid or contains sediments or thickening ingredients, such petroleum shall be tested in the ABEL apparatus in the following manner :

The solid mixture must be cut into cylinders 38.1 mm long and 6.3 mm in diameter by means of a cork borer or other similar cutter having the correct internal diameter. These cylinders are to be placed in the petroleum cup of the testing apparatus in a vertical position in such number as will completely fill the cup. The cylinders must be in contact with one another but must not be so tightly packed as to be deformed in shape.

Five or six of the cylinders in the centre of the cup must be shortened to 127 mm. to allow space for the thermometer bulb.

The petroleum which is viscous or contained sediment or thickening ingredients shall be filled in the petroleum cup of the testing apparatus in a vertical position so that it completely fills the cup.

The air bath of the testing apparatus must be filled to a depth of 38.1 mm with water. The water bath must then be raised to, and maintained at, a temperature of about 80° F.

The cup must then be placed in the air bath, and the temperature of the sample must be allowed to rise until the thermometer in the oil-cup shows 75° F when the test flame must be applied.

If no flash is obtained, this temperature must be maintained constant in the oil-cup for one hour, at the expiration of which time the test flame must again be applied.

If a flash is obtained, the solid mixture will be subject to the provisions of the Petroleum Act, 1934."

[No. 3(1)/86-DPR/EC.GS.]

R.K. SINHA, Jt. Secy.

Foot Note:—The Principal rules were published in the Gazette of India, Part II, Section 3(i), dated 26th July, 1976 at pages 1683-1899 vide Government notification, Ministry of Industry and Civil Supplies, No. GSR 479(E), dated 30th June, 1976 and was subsequently amended by.

(i) Government notification, No. GSR 834 dt. 25th July, 1980 published in Gazette of India, Part II Section 3(i) at pages 1798-1800.

(ii) Government notification, No. CSR 493 dt. 6th May, 1981 published in Gazette of India, Part II, Section 3(i) at pages 1183-1184.